an>

Title: Regarding impact of floods and insufficient rain in the country.

**डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) :** सभापति महोदय, जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में तरह-तरह के बदलाव देखने में आ रहे हैं। बाढ़, सूखा, भूकम्प, भूस्खलन, बादल फटना और चक्रवात आदि की घटनाओं से पूरा देश परेशान है। अभी वर्तमान में देश के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है, वहीं कई राज्यों में अल्प वÂ◌ा◌ाऩ या वÂ◌ा◌ाऩ हुई ही नहीं है। इस कारण किसानों के समक्ष बहुत गंभीर संकट खड़ा हो गया है। किसानों के साथ-साथ खेती के काम में लगे हुए मजदूरों के सामने भी मजदूरी, रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

सभापति महोदय, मैं मध्य प्रदेश से आता हूं। मध्य प्रदेश के कुछ जिलों जैसे उज्जैन, रतलाम और झाबुआ में बहुत भीÂ◌ाण बारिश हुई। अभी पिछले दिनों उज्जैन के बारे में समाचार आये थे कि वहां पर सिंहस्थ होने जा रहा है। वहां सारे मंदिर डूब गये हैं। इसी तरह से उत्तर प्रदेश, बिहार और बुन्देलखंड के लगभग 19 संभाग सूखे की चपेट में हैं। वहां सामान्य से कम बारिश हुई है। गुजरात में अति वÂ◌ा◌ाऩ से दस शेर और 90 चीतलों की जान गयी। वहीं राजस्थान में भी लगभग 80 मौतें अति वÂ◌ा◌ाऩ से हुई। मणिपुर में भी 30 लोगों की मृत्यु हुई। नागालैंड में भी काफी जनधन की हानि हुई। मध्य प्रदेश में 37 लोग बाढ़ के कारण मरे और 70 जानवर बाढ़ की चपेट में आये। इसके साथ-साथ पश्चिम बंगाल में 50 लोगों की मौत अति वÂ◌ा◌ाऩ से हुई है। ओडिशा में भी बड़ी संख्या में लोग कालगर्भित हुए हैं। मध्य प्रदेश में भी इसी तरह की स्थितियां निर्मित हुई हैं। मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि सारे देश में इस तरह की स्थितियां निर्मित हो रही हैं। जहां किसानों ने बोनी कर दी थी, वहां पर पानी नहीं गिरा, तो उनकी फसलें खराब हो गयीं। जहां पर बोनी करने के बाद अति वÂ◌ा◌ाऩ हो गयी, वहां पर भी उनकी फसलें नÂट हो गयी हैं। जहां अति वÂ◌ा◌ाऩ से नुकसान हुआ है या जहां अल्प वÂ◌ा◌ाऩ होने के कारण पेयजल का गंभीर संकट पैदा हो गया ह,◌्‌ मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि केंद्र सरकार ऐसे सभी राज्यों का सर्वे कराकर किसानों को राहत देने के लिए बीज, खाद, चारे, डीजल में सब्सिडी देने की कार्य योजना बनाए। मेरा यह भी कहना है कि जहां पेयजल का संकट है, वहां परिवहन के माध्यम से पेयजल की सुनिश्चित व्यवस्था कराने के लिए कदम उठाए जाएं।

**माननीय सभापति :** श्री पी.पी. चौधरी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री सुधीर गुप्ता, श्री अजय मिश्र तेनी, कुँवर पुÂपेन्द्र सिंह चन्देल को डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विÂ◌ाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।